05 July 2025_Copy of Layout 1 7/8/2025 8:47 AM Page 1

दैनिक

नज़रिया खबर

भारत सरकार के डीएवीपी व राज्य सरकार द्वारा विज्ञापन के लिए मान्यता प्राप्त

RNI:UTTHIN/2008/25052

वर्ष:18 | अंक: 06 | देहरादून, शनिवार 05 जुलाई, 2025 | पृष्ठ: 08 | मूल्य: 1/रु. प्रति

न्यूज डायरी

शाहरूख खान, सिटी ऑफ ड्रीम्स श्रीलंका के भव्य उद्घाटन में होंगे शामिल

देहरादून। बॉलीवुड के बेताज बादशाह शाहरूख खान 2 अगस्त को श्रीलंका पहुंच रहे हैं। वे सिटी ऑफ ड्रीम्स श्री लंका की भव्य ओपनिंग में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। 'किंग खान' के नाम से दुनिया भर में मशहूर और ढेरों अवॉर्ड जीतने वाले शाहरुख खान को साउथ एशिया के पहले लक्जरी इंटीग्रेटेड रिजॉर्ट की स्थापना के उपलक्ष्य में भव्य ओपनिंग समारोह के लिए आमंत्रित किया गया है, गौरतलब है कि इस रिजॉर्ट का विकास जॉन कील्स होल्डिंग्स एवं मेल्को रिजॉर्ट्स एण्ड एंटरटेनमेन्ट की साझेदारी में हुआ है। सिटी ऑफ ड्रीम्स श्रीलंका की भव्य ओपनिंग 2025 में इस क्षेत्र के सबसे ग्लैमरस आयोजनों में से एक होगी, जहां रिजॉर्ट के कैंपेन 'लैट्स गो, लैट गो' का आधिकारिक लॉन्च भी होगा। इसी के साथ लक्जरी एवं एंटरटेनमेन्ट का नया दौर शुरू होगा, जहां मेहमान विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजनों, होटल के भव्य कमरों, कायाकल्प करने वाले वैलनैस रीट्रीट्स, लक्जरी रीटेल अनुभवों तथा देश के सबसे बड़े और सबसे बेहतरीन मीटिंग एवं इवेंट स्पेसेज का अनुभव पा सकेंगे।

स्मार्ट गैस एक्सपीरियंस सेंटर का किया शुभारंभ

देहरादून। व्यावसायिक और औद्योगिक गैस प्रणालियों में भारत के अग्रणी प्रदाताओं में से एक पुणे गैस ने आधिकारिक तौर पर दिल्ली के मध्य में अपने सातवें एक्सपीरियंस सेंटर का उद्घाटन करके उत्तर भारत में विस्तार करने के लिए एक कदम बढाया है। इस सेंटर का शुभारंभ पुणे गैस के संस्थापक और प्रबंध निदेशक जयसिंह संपत, जेसल संपत (कार्यकारी निदेशक), भावेन उदेशी (बिक्री निदेशक), राधिका ओजा (परियोजना निदेशक) और उत्तर भारत की समर्पित टीम की उपस्थिति में किया गया। दिल्ली का एक्सपीरियंस सेंटर आगंतुकों को उन्नत गैस प्रणालियों की व्यावहारिक जानकारी प्रदान करता है, जिन्हें कार्यक्षमता में सुधार लाने, सुरक्षा को बढ़ाने और स्थिरता लक्ष्यों का समर्थन करने के लिए डिजाइन किया गया है।

हरिद्वार में मुख्यमंत्री धामी ने किया 550 करोड़ की योजनाओं लोकार्पण एवं शिलान्यास

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को ऋषिकुल मैदान हरिद्वार में आयोजित विकास संकल्प पर्व में प्रतिभाग कर 550 करोड़ की 107 विभिन्न योजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि लालढांग में सिंचाई सुविधा हेतु झील का निर्माण, लालढांग पीएचसी का उच्चीकरण कर सीएचसी बनाए जाने, भगवानपुर से इकबालपुर तक सड़क का चौड़ीकरण, भगवानपुर से सिकरौदा तक सड़क निर्माण, निरंजनपुर में डिग्री कालेज का निर्माण किए जाने, मुबारकपुर–अलीपुर में हाईस्कूल का उच्चीकरण किए जाने, मोहम्मदपुर जटगांव में रजवाहे के दोनों ओर पटरी पर सीसी सड़क का निर्माण किए जाने, विधान सभा झबरेड़ा के अन्तर्गत रुड़की नगर निगम वार्ड न0 22 व 23 में पानी निकासी व सड़क निर्माण किए जाने, खानपुर में ढाडेकी के सौलानी नदी पर पुल निर्माण किए जाने, गिद्धावाली में गंगा नदी घाट पर पुल निर्माण, नागड पलोनी से रांगढ वाला होते हुए भगवानपुर के पास तक मोटर रोड का निर्माण, मेवड नागड के शमशान घाट में बाउण्डरी वाल निर्माण किए जाने के साथ, मोहम्मदपुर पाण्डा के अन्तर्गत बाउण्डरी वाल निर्माण किए जाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री द्वारा एनआरएलएम के अन्तर्गत लक्ष्मी स्वयं सहायता समूह को 2 लाख रूपये, उद्यान विभाग द्वारा दरम्यान सिंह को 50 हजार रूपये, ग्रामोत्थान परियोजनान्तर्गत उजाला सीएलएफ को 21 लाख रूपये, आस्था सीएलएफ को 6 लाख रूपये, मत्स्य विभाग द्वारा अजीत कौर को 4 लाख 20 हजार रूपये, कृषि विभाग द्वारा तरुण सिंह अध्यक्ष वर्क कृषि उत्पादन एवं विपणन विभाग द्वारा मीनाक्षी देवी को 30 लाख रूपये, बाल विकास विभाग द्वारा चंचल तोमर को 51 हजार रूपये, सहकारिता विभाग द्वारा आकाश कश्यप को 1 लाख 60 हजार रूपये प्रदान करने के साथ ही मीना को पीएम आवास योजनान्तर्गत आवास की चाबी सौंपी गई।

विकास योजनाओं को लोकार्पण व शिलान्यास करते सीएम।

जनपद हरिद्वार के चहुंमुखी विकास हेतु मुख्यमंत्री ने की 13 घोषणाएं

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि क्षेत्र के विकास हेतु की गई ये सभी घोषणाएं, लोकार्पण, शिलान्यास की परियोजनाएँ न केवल हरिद्वार जनपद में आधारभूत सुविधाओं को सशक्त बनाने में सहायक सिद्ध होंगी, बल्कि नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ ही क्षेत्र के विकास को भी नई गति प्रदान करेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज का दिन विशेष है क्योंकि आज ही के दिन 04 जुलाई 2021 को उन्हें देवभूमि उत्तराखण्ड की सेवा करने का मौका दिया गया था। उन्होंने कहा कि वे सबसे पहले मां गंगा का आशीर्वाद लेकर जनमानस के बीच आए हैं। उन्होंने कहा कि वे आज प्रदेश के समग्र विकास और जन आकांक्षाओं को पूरा करने के अपने "विकल्प रहित संकल्प" को पूर्ण करने की इस यात्रा के सफल चार वर्ष पूर्ण कर रहे हैं। उन्होंने सफल चार वर्ष पूर्ण होने पर देवभूमि उत्तराखंड की समस्त देवतुल्य जनता कस हृदयतल से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनता द्वारा जताये गए भरोसे के बल पर ही वे आज उत्तराखंड के मुख्य सेवक के रूप में प्रदेश की सेवा कर पा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी से प्रेरणा लेकर गांवों से लेकर शहरों तक, किसानों से लेकर युवाओं तक, मातृशक्ति से लेकर श्रमशक्ति तक, व्यापारियों से लेकर कमचारियों तक प्रत्येक क्षेत्र और वर्ग के कल्याण के लिए कई नई योजनाएं बनाईं हैं और उन्हें धरातल पर भी उतारा है। होम स्टे योजना, लखपति दीदी योजना और सौर स्वरोजगार योजना जैसी अनेकों योजनाएं लागू कर स्वरोजगार को भी बढ़ावा दिया जा रहा है, जिसका परिणाम है कि नीति आयोग द्वारा जारी सतत् विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने के इंडेक्स में हमारे उत्तराखंड को देश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है।

शेष खबर पेज आठ पर देखे

बीआईएस प्रतिनिधिमंडल ने सीएम से भेंटकर उत्तराखंड में मानकीकरण से जुड़ी प्रमुख पहलुओं पर की चर्चा

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुख्यमंत्री आवास में भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) देहरादून शाखा के निदेशक एवं प्रमुख श्री सौरभ तिवारी के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने शिष्टाचार भेंट की। इस प्रतिनिधिमंडल में शिक्षा क्षेत्र, उद्योग जगत एवं उपभोक्ता संगठनों के प्रतिनिधि सम्मिलित थे।

मुख्यमंत्री श्री धामी से भारतीय मानक ब्यूरो के प्रतिनिधिमंडल ने राज्य में मानकीकरण से संबंधित विविध पहलुओं पर विचार–विमर्श किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने निर्देश दिए कि सरकारी खरीद प्रक्रिया में भारतीय मानकों का अनिवार्य समावेश सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने विभागीय अधिकारियों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने भवन निर्माण में आधारित विनियमों को अपनाने तथा विभिन्न सरकारी विभागों में प्रबंधन प्रणाली मानकों के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री श्री धामी ने प्रतिनिधित्व मंडल को उत्तराखंड में मानकीकरण को सुदृढ़ आधार प्रदान करने हेतु संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा–निर्देश जारी किए जाने का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण सेवाओं एवं विकास के लिए मानकीकरण अत्यंत आवश्यक है तथा यह पहल 'विकसित उत्तराखंड' की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगी।

बीआईएस प्रतिनिधिमंडल से चर्चा करते सीएम।

05 July 2025_Copy of Layout 1 7/8/2025 8:47 AM Page 2

संपादकीय

भारत ने अमेरिका को सिखाया ट्रेड वॉर का नया पाठ

भारत को दो ऑप्शन दिए गए। रूस से सस्ता तेल खरीदो या 500 प्रतिशत टैरिफ झेलो। अमेरिका को लगा कि भारत घुटनों पर आ जाएगा। लेकिन इस बार मामला कुछ और ही था। भारत ने विदेश मंत्री एस जयशंकर के नेतृत्व में अमेरिका को दो टूक जवाब दिया कि न तो हम रूस से तेल खरीदना बंद करेंगे और न ही आपकी ब्लैकमेलिंग के आगे झुकेंगे। भारत ने वो कर दिखाया है, जिसकी ट्रंप शासन वाले अमेरिका को तो कतई उम्मीद नहीं थी। अब भारत चुप नहीं बैठेगा बल्कि सीधा जवाब देगा और वो भी डब्लूटीओ के मंच से ये जवाब मिलेगा। 500 प्रतिशत टैरिफ और 26 प्रतिशत इंपोर्ट ड्यूटी अब ये भार उल्टा अमेरिका पर ही गिरेगा। दरअसल, अभी कुछ ही हफ्ते पहले अमेरिका ने भारत पर भारी टैरिफ थोपने की धमकी दी। 500 प्रतिशत इंपोर्ट ड्यूटी लगाने की बात खुलेआम की गई। खासकर उन प्रोडक्ट्स पर जो भारत से अमेरिका को एक्सपोर्ट किए जाते है। इसके पीछे अमेरिका की एक चाल थी। रूस से भारत का सस्ता क्रूड ऑयल खरीदना बंद करवाना। भारत को दो ऑप्शन दिए गए। रूस से सस्ता तेल खरीदो या 500 प्रतिशत टैरिफ झेलो। अमेरिका को लगा कि भारत घुटनों पर आ जाएगा। लेकिन इस बार मामला कुछ और ही था। भारत ने विदेश मंत्री एस जयशंकर के नेतृत्व में अमेरिका को दो टूक जवाब दिया कि न तो हम रूस से तेल खरीदना बंद करेंगे और न ही आपकी ब्लैकमेलिंग के आगे झुकेंगे। हुआ भी कुछ ऐसा ही। भारत की ट्रेड डेलीगेशन जो अमेरिका में फ्री ट्रेड एग्रीमेंट की बातचीत करने गई थी। उसे वापस बुला लिया गया। यानी भारत ने साफ बता दिया कि हम झुकने वालों में नहीं बल्कि जवाब देने वालों में हैं। अब भारत वर्ल्ड ट्रेड ऑर्गनाइडेशन अमेरिका के खिलाफ केस लेकर पहुंच गया है। मामला 3 मई को अमेरिका द्वारा लगाए गए 26 प्रतिशत के इंपोर्ट टैरिफ का है। ये भारत के ऑटोमोबाइल प्रोजेक्ट और कंपोनेंट पर लगा है। अमेरिका ने डब्ल्यूटीओ को बिना सूचना दिए सेफगार्ड मेजर का बहाना बनाकर टैरिफ ठोक दिया। जबकि नियम ये कहता है कि पहले उस देश से बातचीत हो। उचित प्रमाण हो।

मुख्यमंत्री धामी ने की पर्वतीय राज्यों के लिए पृथक विमानन नीति की मांग

कार्यक्रम के दौरान सीएम व अन्य।

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को देहरादून स्थित होटल में आयोजित नागर विमानन सम्मेलन–2025 में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर केंद्रीय नागर विमानन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू और उत्तर भारत के नागर विमानन मंत्रियों का स्वागत किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सम्मेलन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के नागर विमानन क्षेत्र में आई ऐतिहासिक प्रगति का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि उड़ान योजना के माध्यम से छोटे शहरों और दुर्गम क्षेत्रों को हवाई संपर्क से जोड़कर न केवल आम नागरिकों के लिए हवाई यात्रा सुलभ हुई है, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में वर्तमान में 18 हेलीपोर्ट्स का विकास किया जा रहा है, जिनमें से 12 पर सेवाएं प्रारंभ हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि हेली सेवाएं उत्तराखंड जैसे पर्वतीय राज्यों में केवल परिवहन का साधन नहीं, बल्कि जीवन रेखा बन चुकी हैं। चाहे आपदा प्रबंधन हो, स्वास्थ्य सेवाएँ हों या तीर्थयात्रा, हेलीकॉप्टर सेवाओं ने इन क्षेत्रों में अभूतपूर्व सुविधा प्रदान की है। मुख्यमंत्री श्री धामी ने केन्द्रीय नागर विमानन मंत्रालय से पर्वतीय राज्यों के लिए एक पृथक "पर्वतीय विमानन नीति" बनाने का आग्रह किया, जिसमें विशेष वित्तीय सहायता, संचालन हेतु सब्सिडी, पर्वतीय क्षेत्रों के लिए उपयुक्त एटीसी नेटवर्क, सटीक मौसम पूर्वानुमान, स्लॉटिंग और आपदा–पूर्व तैयारी जैसे प्रावधान शामिल हों। मुख्यमंत्री ने सभी ऑपरेटरों से भी पर्वतीय उड़ानों के लिए विशेष पायलट प्रशिक्षण, सुरक्षा मानकों का कठोर पालन और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का भी अनुरोध किया।

राजनीति में अब चापलूसों की चौकड़ी में रहने के दिन लद गए, विधायक सांसद व मंत्री को अब टैलेंट दिखना बेहतर रहेगा

चापलूसी अस्त्र बनाम हुनर व योग्यता का अस्त्र- अगर पल भर को भी मैं, बे-ज़मीर बन जाता, यकीन मानिए मैं कब का अमीर बन जाता

गोंदिया। वैश्विक स्तरपर राजनीतिक क्षेत्र में बहुत तेजी के साथ बदलाव होते दिख रहे हैं। एक जमाना था जब पंचायत समिति मेंबर से लेकर मंत्री तक चापलूसों से घिरे रहकर,जी हुजूरी का जीवन जीते थे,मगर आज ऐसादिखा तो हाई कमान बाहर का रास्ता दिखा देते हैं।अपने अन्य नेताओं की चापलूसी के अनेक किस्से हम इलेक्ट्रॉनिक व सोशल मीडिया पर देख चुके हैं परंतु,अब ऐसा युग शुरू हो गया है कि, नेतागण जनता के साथ ईमानदार कर्मठ योग्यता के धनी कर्तव्यनिष्ठ निष्पक्ष व्यक्तियों के सानिध्य में रहना जरूरी है। 2 वर्ष पूर्व हमने देखे कि तीन–चार राज्यों के ऐसे व्यक्तियों को मुख्यमंत्री बनाया गया जो चौथी कतार में बैठे थे, सबसे बड़ी बात वर्तमान राष्ट्रपति महोदय को भी हम दूर–दूर तक नहीं जानते थे। आज जनता ऐसा बदलाव चाहती है, ताकि भारत का सर्वांगीण हिस्सा विकास हो। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र, इस चापलूसी पर पैनी नजर रखता हूं, व देखता हूं कि हमारी राइस सिटी गोंदिया में दो थाना क्षेत्र है, वहां जब भी नए थानेदार से लेकर एसपी तक वह एसडीओ से लेकर कलेक्टर तक पदभार संभालते हैं, तो एक समाज ग्रुप उनका जबरदस्त स्वागत करता है, व उनके फोटो निकालकर पूरे प्रिंट इलेक्ट्रॉनिक व सोशल मीडिया पर प्रचारित करते हैं,यानें असल में वे यह दिखाना चाहते हैं कि देखो हमारी इतनी पहचान व रुतबा है। मेरा मानना है कि यह ट्रांसफर पोस्टिंग तो होती रहती है, उन्हें अपनी जिम्मेदारी निभानी ही है, परंतु उन अधिकारियों को संज्ञान देना चाहिए कि कहीं इनका कोई हित, स्वार्थ, चापलूसी या कोई गैर कानूनी व्यवसाय व्यापार या दलाली तो नहीं?यह पता करना उनका कर्तव्य है। ठीक वैसा ही आज समाज व आध्यात्मिक क्षेत्र में भी संज्ञान लेने की जरूरत है, ताकि इन चापलूसों को जड़ से उखाड़ फेंका जा सके,जो अपने निजी स्वार्थ के लिए नेताओं, आध्यात्मिकता व सामाजिक कर्तव्यबध व्यक्तियों के अपने मतलब के लिए आगे पीछे घूमते हैं।चूँकि आज आधुनिक युग में राजनीतिक सामाजिक आध्यात्मिक क्षेत्र में चापलूसों को हटाकर काबिल व टैलेंटेड साथियों को सेवाएं देना समय की मांग है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, राजनीति में अब चापलूसों की चौकड़ी में रहने के दिन लद गए,चौकन्नी हुई जनता, विधायक सांसद व मंत्री को टैलेंट की चौकड़ी में रहने की जरूरत है। साथियों बात अगर हम चापलूसी की करें तो,भारत में हम दैनिक दिनचर्या में राजनीतिक सामाजिक इत्यादि अनेक क्षेत्रों में चापलूस शब्द अक्सर सुनते रहते हैं। अधिकतम बयानबाजी में चापलूस शब्द का उल्लेख किया जाता है। अक्सर हम देखते हैं कि किसी भी पार्टी या सामाजिक संस्था में से अलग होने वाला नेता समाजसेवी सेवक कार्यकर्ता ऐसा जरूर बयान देता है कि पार्टि, संस्था अब चापलूसों से घिर गई है मेरा उसमें काम करना कठिन हो गया था, या फलाना हमारा लीडर चापलूस लोगों की ही सुनता है! स्वाभिमानी इंसान का वहां मूल्य नहीं! चापलूसी को झूठी प्रशंसा चाटुकारिता, मक्खनबाजी, खुशामद,बढ़ई दिखावी आवभगत, चने के झाड़ पर चढ़ाना इत्यादि अनेक शब्दों का एक जुमला प्रसंग के रूप में परिभाषित कर सकते हैं। अगर हम किसी व्यक्ति की तारीफ में यही उपरोक्त शब्दों को एकीकृत कर अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हैं तो हमें अप्रत्यक्ष रूप से चापलूस बाज कहा जा सकता है। जबकि पूरी पारदर्शिता, सौ बात की एक बात, कड़वी सच्चाई, मुंह पर बोलना, बिना लाग लपेट के बोलना इत्यादि गुणों वाले व्यक्ति को स्वाभिमानी की संज्ञा दी जाती है और यह व्यक्तित्व चाटुकारिता पर सेर पर सवा सेर साबित होता है क्योंकि बड़े बुजुर्गों ने भी कहा है सच्चाई छुप नहीं सकती बनावट के उसूलों से! हालांकि कुछ अपवाद छोड़ दें तो वर्तमान परिस्थितियों में खासकर कुछएक खास क्षेत्रों में चापलूसी करना अधिक फायदेमंद होती जा रही है क्योंकि आज पारदर्शी व्यक्तित्व कड़वी सच्चाई आदि गुणों वाले व्यक्तित्व को उल्टा चोर कोतवाल को डांटे वाली कहावत ने घेर लिया जाता है।

साथियों बिना किसी डिग्री और ट्रेनिंग के चापलूसी की कला में महारत हासिल करने के लिए सिर्फ थोड़ी बेशर्मी भरी हंसी और काम के आदमी के सामने जीभ लपलपा देना काफी है, फिर देखिए, सामने वाला कैसे हथियार डालता है हमारे सामने, आखिर नेता, अभिनेता से ले कर आम इंसान तक, चापलूसी किसे नहीं भाती भाई, बिना किसी डिगरी और ट्रेनिंग के चापलूसी की कला में महारत हासिल करने के लिए सिर्फ थोड़ी बेशर्मी भरी हंसी और काम के आदमी के सामने जीभ लपलपा देना काफी है, फिर देखिए, सामने वाला कैसे हथियार डालता है आप के सामने, आखिर नेता, अभिनेता से ले कर आम इंसान तक को, चापलूसी किसे नहीं भाती। साथियों बात अगर हम स्वाभिमानी व्यक्तियों की करें तो, आत्म–सम्मान के स्वस्थ स्तर वाले लोग।कुछ मूल्यों और सिद्धांतों में दृढ़ता से विश्वास करते हैं, और विरोध मिलने पर भी उनका बचाव करने के लिए तैयार हैं, अनुभव के आलोक में उन्हें संशोधित करने के लिए पर्याप्त सुरक्षित महसूस करते हैं। जो उन्हें सबसे अच्छा विकल्प लगता है, उसके अनुसार कार्य करने में सक्षम हैं, अपने स्वयं के निर्णय पर भरोसा करते हैं, और जब दूसरों को उनकी पसंद पसंद नहीं है तो दोषी महसूस नहीं करते हैं।अतीत में क्या हुआ, और भविष्य में क्या हो सकता है, इस बारे में अत्यधिक चिंता करने में समय न गँवाएँ। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि राजनीति में अब चापलूसों की चौकड़ी में रहने के दिन लद गए– चौकन्नी हुई जनता–विधायक सांसद व मंत्री को अब टैलेंट चौकड़ी में दिखना बेहतर रहेगा।चापलूसी अस्त्र बनाम हुनर व योग्यता का अस्त्र–अगर पल भर को भी मैं, बे–जमीर बन जाता, यकीन मानिए मैं कब का अमीर बन जाताआधुनिक युग में राजनीतिक सामाजिक आध्यात्मिक क्षेत्रों में चापलूसों को हटाकर काबिल व टैलेंट साथियों की सेवाएं लेना समय की मांग है।

लेखक – कर विशेषज्ञ स्तंभकार
एडवोकेट किशन सनमुखदास
भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

05 July 2025_Copy of Layout 1 7/8/2025 8:47 AM Page 3

निर्वाचन कार्य एक संवेदनशील जिम्मेदारी, इसे गंभीरता से लें: डीएम

निर्वाचन में तैनात अधिकारियों को समयबद्ध ढंग से निर्वाचन से जुड़ी समस्त तैयारियां पूर्ण करने के निर्देश

रुद्रप्रयाग (नजरिया खबर ब्यूरो)। त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन की तैयारियों को लेकर विकास भवन सभागार में जिला निर्वाचन अधिकारी व जिलाधिकारी प्रतीक जैन की अध्यक्षता में जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेटों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन को लेकर तैनात जोनल व सेक्टर मजिस्ट्रेटों को निर्देश दिए कि बेहतर समन्वय एवं परस्पर संवाद से जिम्मेदारियों का निर्वहन करें। उन्होंने सेक्टर मजिस्ट्रेटों को पोलिंग बूथो का स्थलीय निरीक्षण कर जरूरी सुविधाओं की रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा। इस दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि निर्वाचन से जुड़ी समस्त तैयारियां समयबद्ध ढंग से पूर्ण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने

जिलाधिकारी बैठक लेते हुए।

पोलिंग स्टेशनों की व्यवस्थाओं, मतदान प्रक्रिया में प्रयुक्त वाहनों की उपलब्धता एवं संपूर्ण लॉजिस्टिक सपोर्ट की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि निर्वाचन कार्य एक संवेदनशील जिम्मेदारी है, इसे गंभीरता से लिया जाए।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि सेक्टर, जोनल एवं मतदान टीम के बीच बेहतर समन्वय होना आवश्यक है। इस दौरान उन्होंने उपस्थित अधिकारियों से निर्वाचन संबंधी पुराने अनुभवों को भी शेयर किया। साथ ही सेक्टर अधिकारियों की समस्याओं को भी जाना। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक सेक्टर अधिकारी उनसे संबंधित पोलिंग बूथों का स्थलीय निरीक्षण कर सभी मूल सुविधाओं की जानकारी जुटा लें। उन्होंने निर्वाचन प्रक्रिया में अपनाए जाने वाले प्रपत्रों व आदर्श आचार संहिता पर भी फोकस

जनपद में बनाए गए हैं सात जोन, 61 सेक्टर एवं 459 पोलिंग बूथ

किया। प्रशिक्षण में मुख्य विकास अधिकारी राजेन्द्र सिंह रावत ने पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से पंचायत चुनाव की विभिन्न प्रक्रियाओं, मतदान केंद्रों की व्यवस्थाओं, सामग्री वितरण एवं रिटर्निंग की प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक जोनल और सेक्टर मजिस्ट्रेट की भूमिका चुनाव को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और व्यवस्थित तरीके से संपन कराने में अत्यंत महत्वपूर्ण है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी मुख्य विकास अधिकारी आरएस रावत ने कहा कि निर्विघ्न एवं शांतिपूर्ण पंचायत निर्वाचन करवाना, हम सबकी जिम्मेदारी है। उन्होंने सकारात्मक सोच के साथ उत्साह सहित कार्य करने के लिए जोनल एवं सेक्टर अधिकारियों को प्रेरित किया। मुख्य विकास अधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों से यह भी कहा कि किसी भी शंका के समाधान के लिए आपस मे संवाद करें। इस दौरान प्रशिक्षण के नोडल अधिकारी लोकेन्द्र सिंह बिष्ट ने आदर्श आचार संहिता के प्रावधानों, पोल डे मॉनिटरिंग, पोलिंग बूथ सत्यापन बैलेट पेपर एवं मतदान पेटियों के उपयोग संबधी अनेकानेक जानकारियां पीपीटी के माध्यम से दी। प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि जनपद में सात जोन, 61 सेक्टर एवं 459 पोलिंग बूथ बनाए गए हैं। इस अवसर पर मुख्य शिक्षा अधिकारी पीके बिष्ट, जोनल मजिस्ट्रेट चंडी प्रसाद रतूड़ी, जिला शिक्षा अधिकारी (बेसिक) अजय कुमार चौधरी, अधिशासी अभियंता लोनिवि इंद्रजीत बोस, जोनल व सेक्टर मजिस्ट्रेट सहित निर्वाचन विभाग की टीम एवं अन्य कार्मिक उपस्थित रहे।

मां डाटकाली मनोकामना सिद्ध पीठ में हुआ माता रानी के भव्य जागरण का आयोजन

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। मां डांटवाली मनोकामना सिद्ध पीठ के 222वें वार्षिकोत्सव के पांचवे दिन माता रानी के भव्य जागरण का आयोजन हुआ। जिसमें हरियाणा, देहरादून, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर सहित देश–विदेश से हजारों मां के भक्त मंदिर के प्रांगण में पहुंचे और मां की भक्ति में भाव विभोर हुए। सुबह से ही मां के मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमडी। आशा रोड़ी से ही बिजली की सुंदर सजावट शुरू हो गई थी, जिसने जंगल में मंगल कर दिया। फूलों की सजावट ने भी मां के भक्तों का मन मोह लिया।

माता रानी का जागरण रात्रि 9 बजे से महंत रमन प्रसाद गोस्वामी द्वारा तीनों मंदिरों (मां डांटकाली मंदिर, मां भद्रकाली मंदिर, श्री हनुमान मंदिर) में एक साथ मां की पवित्र जोत प्रज्वलित कर मां का आह्वान कर प्रारंभ हुआ। डांटकाली मंदिर में पप्पू अरोरा एंड पार्टी ने गणेश वंदना से शुरुआत की उसके बाद जे तू ही ना पूछे साडा हाल,ना बोले साडे नाल ते साडे पल्ले की रह गया, रात्रि 12 बजे से हेमंत बृजवासी मथुरा से रण में आई देखो काली, खून से भर ने खप्पर खाली से भक्तों को नाचने पर मजबूर कर दिया, मनु सिकंदर ने मैया का चोला है रंगला से शुरुआत की वही लविश लव ने रंग बरसे दरबार मैया तेरे रंग बरसे गाया कृष्णा एंड पार्टी ने मेला मैया का आता है हर साल से शुरुआत की, मनोज सरगम एंड पार्टी ने बेटा जो बुलाए मां को आना चाहिए सुनाया सारी रात माता रानी के भजनों में भक्त आनंद रस में डूबे रहे।

दुष्कर्म के मुकदमें में फरार चल रहा ईनामी बदमाश गिरफ्तार

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। बलात्कार के मुकदमें में पिछले वर्ष से फरार चल रहे 15 हजार रूपये के ईनामी अपराधी को एसटीएफ व प्रेमनगर थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने सहरसा बिहार से गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पुलिस गिरफ्त में आने से बचने के लिए चारो ओर पानी से घिरे टापू में छिपकर रह रहा था।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ, नवनीत सिंह भुल्लर द्वारा बताया गया कि एसटीएफ की कुमायूँ युनिट द्वारा कल थाना प्रेमनगर पुलिस के मुकदमे में फरार चल रहे 15 हजार के ईनामी अपराधी नितीश चौधरी पुत्र गोसांई चौधरी निवासी विल्स सिरवर थाना महिषी जिला सहरसा बिहार, को बिहार के सहरसा जिले के कनरिया थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया।

बताया कि मामले में एसटीएफ की टीम द्वारा प्राप्त तकनीकी तथा भौतिक

पकड़ा गया आरोपी।

सूचनाओं का विश्लेषण करते हुये पिछले 1 माह से काम किया जा रहा था। जिस पर अथक प्रयास करते हुए उक्त अपराधी की गिरफ्तारी की गयी। बताया कि चूँकि बिहार में इस समय बाढ़ का काफी प्रकोप रहता है हमारी टीम द्वारा स्थानीय बिहारी वेशभूषा में पैदल चल कर व नाव से कई नदियों को पार कर रेप के इस शातिर अपराधी की गिरफ्तारी की गयी है। गिरफ्तार अपराधी थाना प्रेमनगर देहरादून से बलात्कार के एक मुकदमे में फरार चल रहा था जिस पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून द्वारा 15 हजार का ईनाम घोषित किया गया था। गिरफ्तार अपराधी को जिला न्यायालय सहरसा, बिहार से ट्रांजिट रिमाण्ड में लाकर थाना प्रेमनगर दाखिल किया गया है।

टापू में फंसे 11 लोगों को सकुशल किया रेस्क्यू, बाड़वाला में साधना केंद्र की समीप यमुना में फंसे थे मजदूर

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। उत्तराखंड में इन दिनों भारी बारिश से जनजीवन अस्त–व्यस्त गया है और भारी बारिश से नदी–नाले उफान पर बह रहे हैं। वहीं विकासनगर–यमुना नदी बाढवाला क्षेत्र मे नदी का अचानक जलस्तर बढ़ गया और नदी किनारे काम कर रहे मजदूर फंस गए। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस और एसडीआरएफ ने रेस्क्यू कर मजदूरों को बहार निकाला।

डाकपत्थर चौकी क्षेत्र के बाडवाला साधना केंद्र के समीप यमुना नदी मे कुछ मजदूर अपनी ध्याडी मजदूरी मे जुटे हुए थे, जिनमें चार महिलाएं और

नदी के बीच टापू में फंसे लोगों को निकालते हुए।

सात पुरुष कार्य कर रहे थे। सभी अपने कार्य मे इतने व्यस्त थे कि उन्हें यमुना नदी का जलस्तर बढ़ने का आभास ही नहीं हुआ। देखते ही देखते यमुना नदी का जलस्तर बढ़ गया और नदी मे काम कर रहे महिलाएं और पुरुष मजदूर व एक ट्रैक्टर नदी के बीच में फंस गए। जिसके बाद स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना पुलिस–प्रशासन को दी।

पुलिस और एसडीआरएफ की टीम सूचना पर मौके पर पहुंची और रेस्क्यू अभियान चलाया गया। टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद सभी को सुरक्षित उफनते नदी से बाहर निकाला। पुलिस ने बताया कि सुबह नदी मे मजदूरों के फंसे होने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही तत्काल पुलिस व एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और यमुना नदी से सभी मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। गौर हो कि उत्तराखंड में बारिश का दौर जारी है। लगातार हो रही बारिश से नदी–नाले उफान पर हैं। प्रशासन की चेतावनी के बाद भी लोग जान जोखिम में डाल रहे हैं।

पुलिस ने तत्काल रेस्क्यू अभियान चलाते हुए टापू में फंसे 11 व्यक्तियो (7 पुरूष व 4 महिला) को सकुशल बाहर निकाला गया। रेस्क्यू किये गये व्यक्तियो ने बताया कि वह मजदूरी का कार्य करते है तथा वह सभी सुबह नदी में गए थे, अचानक जलस्तर बढने लगा, जिस कारण वह सभी एक टापू में इकट्ठे हो गए, टापू के चारों तरफ पानी होने की वजह से बाहर नहीं आ पाए। रेस्क्यू किये गये सभी व्यक्तियों ने पुलिस की त्वरित कार्यवाही की प्रशंसा कर उत्तराखण्ड पुलिस का आभार व्यक्त किया गया।

05 July 2025_Copy of Layout 1 7/8/2025 8:47 AM Page 4

युवा पीढी को ड्रग्स की गिरफ्त में आने से बचाने के लिये ड्रग फ्री कैम्पस की शुरुआत, शिक्षण संस्थान की है जिम्मदारी

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। युवा पीढी को ड्रग्स की गिरफ्त में आने से बचाने के लिये ड्रग फ्री कैम्पस की शुरूआत की गई है, जो शिक्षण संस्थान की जिम्मदारी है। जिसमें शिक्षण संस्थानों के साथ–साथ छात्रों व अभिभावकों की सहभागिता व उनकी जवाबदेही भी सुनिश्चित की जा रही है। एसएसपी देहरादून अजय सिंह का कहना है कि अपनी जिम्मेदारी पूर्ण न करने वाले शिक्षण संस्थानों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता के तहत वैधानिक कार्यवाही की जायेगी, साथ ही जरूरत पड़ने पर संदिग्ध छात्रों का रैंडम टेस्ट कराने को भी दून पुलिस तैयार है। मुख्यमंत्री की ड्रग फ्री देवभूमि की परिकल्पना को साकार करने के लिये पुलिस द्वारा नशा तस्करों के विरूद्ध कार्यवाही के साथ–साथ आम जन तथा युवा वर्ग के मध्य नशे के प्रति जागरूकता हेतु लगातार जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में 4 जुलाई को पुलिस लाइन

गोष्ठी में मंचासीन पुलिस अधिकारी।

देहरादून में एसएसपी देहरादून तथा एसएसपी एसटीएफ की उपस्थिती में जनपद के मुख्य शिक्षण संस्थानों, पीजी हास्टल के प्रतिनिधियों के साथ गोष्ठी का आयोजन किया गया।

गोष्ठी के दौरान शिक्षण संस्थानों, पीजी हास्टल के प्रबन्धकों को नशे के विरूद्ध मुहीम में सहयोग प्रदान करने के लिये प्रेरित करते हुए उनके संस्थान में नशे से सम्बन्धित किसी भी गतिविधि की सूचना पर उनके विरूद्ध कार्यवाही के समबन्ध में चेताया गया। गोष्ठी में उपस्थित संस्थान प्रबंधकों से संवाद करते हुए एसएसपी देहरादून तथा एसएसपी एसटीएफ द्वारा उन्हें अपने–अपने संस्थानों में ड्रग फ्री कैम्पस की अवधारणा को साकार करने के लिये डिबेट, पोस्टर, पाम्पलेट,सेमिनार व अन्य माध्यमों से लगातार छात्र–छात्राओं को जागरूक करने तथा नशे के विरूद्ध जागरूकता हेतु जारी किये गये हेल्प लाइन नम्बर 1933 से सभी को अवगत कराने हेतु निर्देशित किया गया। इस दौरान सभी संस्थान संचालकों को अपने–अपने संस्थानों में एडमिशन के समय सभी नये छात्रों तथा नये सत्र की शुरूवात में सभी पुराने छात्रों व उनके अभिभावकों से नशे के सेवन सम्बन्धित शिकायत अथवा संदिग्धता के आधार पर छात्रों के सैम्पल लेने हेतु कन्सेंट फार्म भरवाने के निर्देश दिये गये, जिससे भविष्य में किसी पीजी ध्हास्टल आदि में नशे से सम्बन्धित शिकायत अथवा सन्देह होने पर पुलिस द्वारा कन्सेंट फार्म के आधार पर सम्बन्धित छात्र का मेडिकल टीम द्वारा अकस्मात टेस्ट किया जा सके इसके अतिरिक्त किसी छात्र की नशे में संलिप्तता मिलने पर संस्थान से उसके निष्कासन की कार्यवाही हेतु सभी शिक्षण संस्थान संचालकों को निर्देशित किया गया।

शिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत छात्रों के ड्रंक एण्ड ड्राइव अथवा अन्य अनैतिक गतिविधियों में मिलने पर पुलिस द्वारा सम्बन्धित शिक्षण संस्थान को कार्यवाही हेतु सूचित किया जायेगा।

कांग्रेस ने जिला पंचायत सदस्यों की सूची जारी की

देहरादून। उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने जिला पंचायत चुनाव 2025 हेतु जिला उधमसिंह नगर के पार्टी समर्थित जिला पंचायत सदस्यों की सूची जारी की है। जनपद उधमसिंहनगर के पार्टी समर्थित प्रत्याशियों की सूची जारी करते हुए प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष संगठन सूर्यकान्त धस्माना ने बताया कि उधमसिंहनगर के जिला पंचायत क्षेत्र बिसराबाग से हीरा मुंडेला, पहेनिया से सोनी राणा, प्रतापपुर से रोषन सिंह, मझोला से निर्भय शंकर यादव, नगला से कमान सिंह, गोविन्दनगर से मीना देवी, सरकड़ा से विभूति प्रसाद, कुरैया से सुनीता सिंह, खानपुर से विमुका शील, रतनपुर से मो. फुरकान, टाण्डा आजम से जितेन्द्र शर्मा, भीकमपुर से सीमा कौर, हरसाना से दया किशोर जोशी, बांसखेड़ा खुर्द से चन्द्रवनी गौतम, ढ़किया कला से मनीशा, पतरामपुर रजनी देवी, राजपुर से नदीम अहमद एवं बैलजुड़ी जिला पंचायत क्षेत्र से विजयपाल सिंह को कांग्रेस समर्थित प्रत्याशी घोषित किया गया है।

केदारनाथ यात्रा मार्ग पर संवेदनशील क्षेत्रों में लगाए गए चेतावनी बोर्ड

रुद्रप्रयाग (नजरिया खबर ब्यूरो)। केदारनाथ धाम की यात्रा पर आ रहे तीर्थयात्रियों की सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन मुस्तैदी से जुटा हुआ है। आये दिन पैदल मार्ग पर भूस्खलन हो रहा है, जिस कारण तीर्थयात्रियों को भारी मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में प्रशासन की ओर से पैदल मार्ग पर तीर्थयात्रियों के लिए चेतावनी बोर्ड लगाए गए हैं, जिससे वे इन बोर्ड को देखते हुए सचेत रहकर यात्रा कर सकेंगे।

केदारनाथ धाम यात्रा को सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित बनाए रखने को लेकर जिला प्रशासन की ओर से विशेष सतर्कता बरती जा रही है। मानसून सत्र को ध्यान में रखते हुए यात्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर गौरीकुंड से केदारनाथ तक के पैदल मार्ग पर विभिन्न संवेदनशील स्थलों पर चेतावनी एवं दिशा–निर्देश संबंधी बोर्ड लगाए गए हैं। जिलाधिकारी प्रतीक जैन के निर्देश पर गौरीकुंड, घोड़ा पड़ाव, जंगलचट्टी, भीमबली सहित अन्य निकटवर्ती क्षेत्रों में ऐसे स्थानों की पहचान की गई, जहां भूस्खलन, पत्थर गिरने, मार्ग फिसलन, अथवा नदी–नालों का जल स्तर बढ़ने की संभावना अधिक होती है। इन सभी चिन्हित स्थलों पर स्पष्ट चेतावनी बोर्ड लगाए गए हैं, जिनमें यात्रियों को सतर्क रहने, मार्ग पर न रुकने तथा प्रशासनिक दिशा–निर्देशों का पालन करने की अपील की। अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग गुप्तकाशी विनय झिंकवाण ने बताया कि पूर्व में भी दस संवेदनशील स्थलों पर चेतावनी बोर्डों को लगाया गया।

वेडिंग पॉइंट में लगी भीषण आग, सामान और पांच वाहन जलकर खाक

ऋषिकेश (नजरिया खबर ब्यूरो)। शहर में आरपीएस स्कूल के निकट शगुन वेडिंग पॉइंट में भीषण आग लग गई। इस अग्निकांड में सारा सामान और पांच वाहन जलकर खाक हो गए। आग की सूचना मिलते ही ऋषिकेश से दमकल विभाग की एक गाड़ी मौके पर पहुंची, लेकिन भीषण आग को देखने के बाद नरेंद्रनगर और हरिद्वार से पांच दमकल वाहन मौके पर बुलाए गए। जिसके बाद दमकल कर्मियों ने बमुशक्लि आग पर काबू पाया।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार की सुबह ऋषिकेश शगुन वेडिंग पॉइंट में आग लग गई.। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया। प्रथम दृष्टया में शॉर्ट सर्किट आग लगने की वजह मानी जा रही है। फायर विभाग ने मामले में अग्रिम जांच और कार्रवाई

वेडिंग पॉइंट में लगी आग।

शुरू की है।

फिलहाल नुकसान की कीमत लाखों रुपए में बताई गई है। बताया जा रहा है कि जब लोगों ने शगुन प्लाजा वेडिंग पॉइंट में आग की लपटें उठती हुई देखी। आग लगी देखकर आसपास के लोगों में हड़कंप मच गया। इस दौरान पास में ही रहने वाले एक व्यक्ति ने घटना की जानकारी पुलिस कंट्रोल रूम को दी। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन और दमकल विभाग के कर्मचारी मौके पर पहुंचे। इस मामले में फायर अधिकारी सुनील सिंह ने बताया कि फिलहाल आग पर काबू पा लिया गया है। घटना में दो छोटे लोडर, एक पिकअप वाहन, एक कार और एक मोटरसाइकिल जली है।

राज्यपाल ने राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र का निरीक्षण कर तैयारियों की समीक्षा की

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने शुक्रवार को आईटी पार्क, देहरादून स्थित उत्तराखण्ड राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र का भ्रमण किया और अधिकारियों से मानसून के दृष्टिगत तैयारियों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। इस दौरान उन्होंने वर्षा की वर्तमान स्थिति, नदियों के जलस्तर, मार्गों की स्थिति और आगामी दिनों के मौसम पूर्वानुमान के साथ ही केंद्र की कार्यप्रणाली का अवलोकन किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने प्रदेश के सभी जिलाधिकारियों के साथ वर्चुअल

बैठक कर मानसून की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने जिलाधिकारियों द्वारा किए जा रहे सतर्क प्रयासों, अन्तर्विभागीय समन्वय और विभागीय एकीकरण की सराहना की।

राज्यपाल ने कहा कि आपदा प्रबंधन में तीन मुख्य पहलुओं, डेटा आधारित निर्णय प्रणाली, विभागों के बीच समन्वय और सामुदायिक सहभागिता को केंद्र में रखकर कार्य किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आपदा प्रबंधन तैयारियों को केवल तात्कालिक आवश्यकता तक सीमित न रखते हुए इसे दीर्घकालिक रणनीति के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। राज्यपाल ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण वर्षा के स्वरूप में परिवर्तन और आपदाओं की तीव्रता बढ़ रही है, ऐसे में राज्य की विषम भौगोलिक परिस्थितियों पर आधारित आपदा प्रबंधन की दिशा में ठोस प्रयास करने होंगे।

राज्यपाल ने उत्तराखण्ड के आपदा प्रबंधन विभाग की कार्यशैली की प्रशंसा करते हुए कहा कि विभाग द्वारा आपदा प्रबंधन एवं न्यूनीकरण के क्षेत्र में पेशेवर ढंग से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हर चुनौती एक अवसर भी होती है, जिससे हम अपनी तैयारियों और रणनीतियों को और अधिक सुदृढ़ बना सकते हैं। उन्होंने विगत राज्य की आपदा रिस्पांस टाइम में लगातार सुधार के लिए भी आपदा प्रबंधन विभाग की सराहना की। राज्यपाल ने विगत वर्षों के आपदा अनुभवों से सीख लेते हुए तैयारियों को उसी अनुरूप सुधार करने और इनका दस्तावेजीकरण करने के भी निर्देश दिए। राज्यपाल ने कहा कि आपदा के समय अफवाहें और असत्यापित सूचनाएं आमजन में भय और भ्रम उत्पन्न करती हैं। इसके समाधान के लिए एक केंद्रीकृत सूचना प्रणाली विकसित की जाए, जिससे लोगों तक त्वरित, प्रमाणिक और स्पष्ट जानकारी पहुंचाई जा सके। इस अवसर पर सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन द्वारा प्रदेश स्तर पर मानसून की तैयारियों को लेकर एक विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया।

05 July 2025_Copy of Layout 1 7/8/2025 8:47 AM Page 5

1000 मेगावाट के टिहरी पीएसपी की दूसरी यूनिट की सीओडी प्रक्रिया शुरू, टीएचडीसीआईएल ने हासिल की बड़ी उपलब्धि

ऋषिकेश (नजरिया खबर ब्यूरो)। भारत की नवीकरणीय ऊर्जा के बुनियादी ढांचे की महत्वपूर्ण प्रगति में, टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड, प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम ने उत्तराखंड के टिहरी में 1000 मेगावाट के वैरिएबल स्पीड पंप स्टोरेज प्लांट (पीएसपी) की दूसरी यूनिट(250 मेगावाट) के लिए सीओडी प्रक्रिया की सफल शुरुआत की घोषणा की।

टिहरी पीएसपी का यह विकास भारत की जलविद्युत क्षमताओं में एक महत्वपूर्ण प्रगति को दर्शाता है क्योंकि टिहरी पंप स्टोरेज प्लांट न केवल देश की पहली वैरिएबल स्पीड पंप स्टोरेज सुविधा है, बल्कि किसी भी केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम द्वारा कार्यान्वित अपनी तरह की सबसे बड़ी सुविधा भी है। प्रथम यूनिट जून, 2025 से पहले से ही सफलतापूर्वक प्रचालित हो रही है, दूसरी इकाई की सीओडी प्रक्रिया का प्रारंभ, एक तकनीकी रूप से उन्नत एवं ग्रिड–संतुलन हेतु स्वच्छ ऊर्जा के

टीएचडीसीआईएल के अधिकारी।

बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ता प्रदान करने में टीएचडीसीआईएल के नेतृत्व को और महत्वपूर्ण बनाता है।

इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के सचिव पंकज अग्रवाल (आईएएस) उपस्थित थे, जिन्होंने विद्युत मंत्रालय के अपर सचिव आकाश त्रिपाठी (आईएएस), विद्युत मंत्रालय के संयुक्त सचिव मोहम्मद अफजल, एनटीपीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक गुरदीप सिंह, टीएचडीसीआईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक आर. के. विश्नोई, निदेशक (कार्मिक) शैलेन्द्र सिंह, निदेशक (तकनीकी) भूपेन्द्र गुप्ता एवं निदेशक (वित्त) सिपन कुमार गर्ग की विशिष्ट उपस्थिति में वर्चुअल मोड के माध्यम से दूसरी इकाई के प्रचालन की आधिकारिक शुरुआत की।

विद्युत मंत्रालय के सचिव पंकज अग्रवाल (आईएएस) ने समारोह को संबोधित करते हुए दूसरी यूनिट की वाणिज्यिक संचालन तिथि प्रक्रिया के शुभारंभ की सराहना की। उन्होंने विद्युत तथा आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल की ओर से टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ–साथ परियोजना से जुड़ी अनुबंध एजेंसियों को इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि विद्युत मंत्रालय को इस उपलब्धि पर गर्व है, जो पूरी टीम की प्रतिबद्धता और तकनीकी उत्कृष्टता को दर्शाता है। टीएचडीसीआईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक आर. के. विश्नोई ने इस उल्लेखनीय उपलब्धि को हासिल करने के लिए किए गए अथक प्रयासों के लिए पूरी टीएचडीसीआईएल टीम और कार्यान्वयन एजेंसियों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं दीं। श्री विश्नोई ने कहा कि टिहरी पीएसपी में दूसरी यूनिट की सीओडी प्रक्रिया का प्रारंभ न केवल टीएचडीसीआईएल द्वारा एक अत्याधुनिक तकनीकी सफलता का प्रतीक है, बल्कि भारत की ऊर्जा स्वतंत्रता की दिशा में एक दृढ़ कदम का भी संकेत देता है।

कांग्रेस ने चमोली में अपने जिला पंचायत उम्मीदवार घोषित किये

चमोली। उत्तराखंड कांग्रेस ने त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के मद्देनजर चमोली जिले के लिये अपने समर्पित जिला पंचायत उम्मीदवारों की नाम घोषित कर दिऐ है। जारी सूची में कांग्रेस हाईकमान ने जिला पंचायत की 23 सीटों में 09 सीटें अपने समर्थकों के लिये ओपन छोड़ी गई है। जिन सीटों पर पार्टी ने प्रत्याशी के नाम घोषित किऐ है, उनमें रानों वार्ड से वरूण रावत, सिमली से विक्रम कठैत, ढाक से श्रीमती राजमती देवी, उर्घम से श्रीमती लवली चौहान, देवर खडोरा से जयप्रकाश पंवार, पिलंग से विपिन फर्स्वाण, सलना से श्रीमती सुनीता रडवाल, जाख से श्रीमती राजेश्वरी नेगी, मालसी से कामेश्वरी देवी कोठा से सुरेन्द्र सिंह रावत, वछुवावाण से श्रीमती शांति कंडारी, अन्द्रपा से अनिल सिंह, कोठली से श्रीमती साक्षी नेगी, सुना से ओमप्रकाश सोनियाल शामिल हैं। ओपन छोड़े गये सीट सैनी, थालावैंड, थिरपाक, भल्सौं, छेकुड़ा, विनायक, चौण्डा, हाटकल्याणी, सवाड़ शामिल हैं।

'धार्मिक स्थलों की मर्यादा को बनाए रखने को लेकर चमोली पुलिस गंभीर'

चमोली (नजरिया खबर ब्यूरो)। विगत दिनों में सोशल मीडिया पर श्री बद्रीनाथ धाम से संबंधित एक वीडियो वायरल हुआ। जिसमें धार्मिक स्थल की गरिमा को ठेस पहुँचाने का प्रयास किया गया। इस प्रकार की घटनाएं श्रद्धालुओं की भावनाओं को आहत करती हैं तथा धाम की पवित्रता व गरिमा पर विपरीत प्रभाव डालती हैं।

आज थानाध्यक्ष बद्रीनाथ नवनीत भंडारी द्वारा मंदिर परिसर में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसरों, स्थानीय दुकानदारों, फोटोग्राफरों, माला व प्रसाद विक्रेताओं आदि के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य श्री बद्रीनाथ धाम की गरिमा को अक्षुण्ण बनाए रखना एवं किसी भी प्रकार की नकारात्मक या अनुचित गतिविधियों की रोकथाम सुनिश्चित करना रहा। यदि धाम परिसर में किसी भी प्रकार की नकारात्मक गतिविधि या आपत्तिजनक स्थिति उत्पन्न होती है, तो उसकी सूचना तत्काल वहाँ मौजूद पुलिसकर्मी अथवा थाने को दी जाए। सभी स्थानीय व्यापारियों व सहयोगियों से अनुरोध किया गया कि वे सोशल मीडिया के सकारात्मक उपयोग को प्रोत्साहित करें और धार्मिक भावना को आहत करने वाले कंटेंट से बचें। धाम की गरिमा को बनाए रखने में सभी का सामूहिक उत्तरदायित्व है। बद्रीनाथ धाम एक आस्था है, उसे सहेजकर रखना हम सबका कर्तव्य है।चमोली पुलिस आप सभी से सहयोग की अपेक्षा करती है कि श्रद्धा के इस केंद्र को नकारात्मकता से बचाएं और इसकी मर्यादा बनाए रखें।

बदरीनाथ मंदिर की सीढ़ियों पर हुई लड़ाई, पुलिस ने कराया बीच-बचाव

चमोली (नजरिया खबर ब्यूरो)। भारी बारिश के बीच भी उत्तराखंड चारधाम आने वालों में कमी नहीं हुई है। श्रद्धालु लगातार बदरी–केदार धाम पहुंच रहे हैं। हालांकि, यात्रा के दौरान कभी–कभार छुटपुट घटनाओं की सूचना भी आ जाती है। ऐसा ही एक वीडियो बदरीनाथ धाम से सामने आया है, जिसमें मंदिर के ठीक सामने ही दो गुटों में मारपीट होती दिख रही है। अब इस मामले में बदरी–केदार मंदिर समिति का बयान आया है। उन्होंने लड़ाई की असल वजह को भी बताया।

जानकारी के मुताबिक, बदरीनाथ मंदिर के सिंहद्वार पर भक्तों के दो गुट आपस में भिड़ गए थे। दोनों गुटों के बीच इतनी जबरदस्त मारपीट हुई कि बचाव कराने के लिए पुलिस को बीच में आना पड़ा। इस वीडियो की चर्चा हर जगह हो रही है। सोशल मीडिया

मंदिर की सीढ़ियों में लड़ाई–झगड़े का दृश्य।

पर यहां तक कहा जा रहा है कि ये लड़ाई मंदिर में दर्शन को लेकर हुई थी, लेकिन बदरी–केदार मंदिर समिति ने इस झगड़े की वजह कुछ और ही बताई है। बदरी–केदार मंदिर समिति के उपाध्यक्ष ऋषि प्रसाद सती ने बताया कि बीती 2 जुलाई को बदरीनाथ मंदिर के सिंहद्वार पर भक्तों के बीच झगड़ा दर्शन को लेकर नहीं हुआ था, बल्कि मंदिर के आगे फोटो खिंचवाने को लेकर हुआ था। बदरी–केदार मंदिर समिति साफ करना चाहता है कि ये लड़ाई दर्शन को लेकर नहीं थी। इसके अलावा ये भी पता चला है कि सिंहद्वार पर जो लोग आपस में लड़े थे वो रिश्तेदार ही थे और उनका फोटो खिंचवाने के लिए किसी प्रकार का कोई झगड़ा हुआ।

सीएम धामी का 4 साल महिला उत्थान और सशक्तिकरण के लिए बेमिसाल: आशा नौटियाल

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के मुख्यमंत्री बनने का 4 साल का कार्यकाल पूरा हो चुका है भाजपा महिला मोर्चे ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के 4 साल के शासनकाल को ऐतिहासिक बेमिसाल लोक कल्याणकारी और समग्र विकास का एक नया अध्याय बताया है।

भाजपा महिला मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष आशा नौटियाल का कहना है कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 4 जुलाई 2021 को जब उत्तराखंड के मुख्यमंत्री के तौर पर पदभार ग्रहण किया था। तब से निरंतर महिलाओं

के उत्थान की दिशा में ऐतिहासिक फैसले किए हैं। उनका कहना है कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का शासन काल नारीशक्ति के लिए बेमिसाल रहा है प्रदेश में महिलाओं के कल्याण के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दर्जनों योजनाओं की शुरुआत की। प्रदेश के सुदूर क्षेत्रों में रहने वाली महिलाओं के लिए लखपति दीदी योजना की शुरुआत की, यह योजना महिलाओं को आर्थिक तौर पर स्वावलंबी बनाने के लिए मील का पत्थर साबित हो रही है उनका कहना है कि 30 फीसदी सरकारी नौकरियों में क्षैतिज आरक्षण आरक्षण दिया है ।

मुख्यमंत्री उद्यमी योजना की शुरुआत की है जिससे महिलाएं आर्थिक तौर पर सशक्त बन रही है भाजपा महिला मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष आशा नौटियाल का कहना है कि स्वयं सहायता समूह को आर्थिक मदद, गौरा देवी कन्या योजना ,सहकारिता में महिलाओं के लिए आरक्षण, महिला सारथी योजना, मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना ,एकल महिला रोजगार योजना ,जल सखी योजना के साथ यूसीसी और कई बड़ी योजनाओं की शुरुआत की। महिलाओं के उत्थान के लिए वन स्टाफ केंद्र की स्थापना की गई प्रदेश में एकल रहने वाली महिलाओं के साथ कामकाजी महिलाओं के लिए हॉस्टल का इंतजाम किया गया।

उत्तराखंड सरकार महिला उत्थान की दिशा में निरंतर सशक्त कदम उठा रही है इससे उत्तराखंड की महिलाओं का जीवन स्तर बेहतर हो रहा है मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने महिलाओं के स्वाभिमान सम्मान और आर्थिक मजबूती हेतु बहुत ही बड़े–बड़े कदम उठाए हैं। जिसका लाभ शहरी क्षेत्र के साथ ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को मिल रहा है । उनके जीवन स्तर में सुधार आ रहा है मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के 4 साल के कार्यकाल पूरा होने पर भाजपा महिला मोर्चे के अध्यक्ष आशा नौटियाल ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को बधाई दी है और उनके कुशल नेतृत्व में उत्तराखंड के विकास की कामना की है।

बता दें प्रदेश की एकल महिलाओं को रोजगार के लिए दो–दो लाख सरकार उपलब्ध कराएगी जिसमें 75 फीसदी सब्सिडी होगी।

05 July 2025_Copy of Layout 1 7/8/2025 8:47 AM Page 6

मुम्बई क्राइम ब्रांच की उत्तराखण्ड में छापेमारी, अवैध मेफेड्रोन फैक्ट्री का पर्दाफाश, 30 लाख रूपए की ड्रग्स

पिथौरागढ़ (नजरिया खबर ब्यूरो)। ड्रग्स के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए महाराष्ट्र की ठाणे क्राइम ब्रांच ने उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में नेपाल सीमा के पास चल रही अवैध मेफेड्रोन (एमडी) फैक्ट्री का पर्दाफाश किया है। इस छापेमारी में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से करीब 30 लाख रूपये की ड्रग्स, मशीनरी, रसायन और वाहन जब्त किए हैं।

पकड़े गए आरोपी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार यह कार्रवाई कासरवडावली पुलिस स्टेशन, ठाणे में एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज एक मामले की जांच के बाद की गई। शुरुआती जांच में ठाणे क्राइम ब्रांच यूनिटकृ5 ने दो आरोपियों विशाल सिंह और मल्लेश शेवाला को गिरफ्तार किया था, जिनके पास से 10 ग्राम एमडी पाउडर बरामद हुआ जिसकी कीमत 35 हजार रूपये आंकी गई थी। पूछताछ में इन आरोपियों ने बताया था कि यह नशीला पदार्थ उत्तराखंड से मंगवाया गया था। इस इनपुट पर पुलिस टीम को उत्तराखंड भेजा गया, जहां 27 जून को पिथौरागढ़ के एक निर्माणाधीन फैक्ट्री पर छापा मारा गया।

छापेमारी में 18 लाख रूपये से अधिक के ड्रग्स बनाने वाले रसायन, उपकरण और मशीनें बरामद हुईं। छापे से पहले आरोपी मौके से फरार हो गए थे और नेपाल सीमा में दाखिल होने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन 28 जून को स्थानीय पुलिस और नेपाल सीमा सुरक्षा बल की मदद से उन्हें पकड़ लिया गया। तीनों आरोपियों को अदालत में पेश कर 5 जुलाई तक पुलिस रिमांड पर भेजा गया है।

वहीं पुलिस की प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि ओम गुप्ता और अमर कोहली इससे पहले उत्तर प्रदेश में भी मेफेड्रोन बनाने के अवैध कारोबार में शामिल थे। कासरवडावली पुलिस स्टेशन में इनके खिलाफ पहले से एक एफआईआर दर्ज है और दोनों आरोपी वहां से फरार चल रहे थे।

आईजी कुमाऊं रेंज रिद्धिम अग्रवाल ने मामले की पुष्टि करते हुए कहा कि स्थानीय पुलिस की सहायता से यह कार्रवाई सफल हुई है। उन्होंने बताया कि अब पूरे कुमाऊं रेंज में ड्रग्स के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जाएगा और ऐसे अपराधों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बता दें कि उत्तराखंड में पहली बार इस तरह की बड़ी मेफेड्रोन फैक्ट्री के भंडाफोड़ से यह स्पष्ट हो गया है कि सीमावर्ती क्षेत्र अब ड्रग माफियाओं के निशाने पर हैं। यदि स्थानीय पुलिस व इंटेलिजेंस में समन्वय मजबूत हो, तो ड्रग माफियाओं के मंसूबे नाकाम किए जा सकते हैं। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान ओम जयगोविंद गुप्ता उर्फ मोनू (उत्तराखंड), भीम यादव (नालासोपारा, महाराष्ट्र) और अमर कुमार कोहली (उत्तराखंड) के रूप में हुई है।

ग्राम प्रधान पद के लिये एक और महिला ने किया नामांकन पत्र दाखिल

चमोली। विकासखंड पोखरी की ग्राम पंचायत बमोथ से एक और महिला विजय लक्ष्मी चौधरी ने भी विकासखंड मुख्यालय पोखरी में खंड विकास अधिकारी कार्यालय में जाकर अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इस समय उनके साथ समाजसेवी कुंवर सिंह खत्री, उनके पति धीरेन्द्र चौधरी रिंकू आदि मौजूद रहे।

निवर्तमान क्षेत्र पंचायत सदस्य विजय लक्ष्मी चौधरी ने अपने कार्यकाल में अनेकों कार्य किये हैं। उनके पति धीरेन्द्र चौधरी रिंकू ने कहा कि उनकी ओर से किये गये कार्यों का लाभ अवश्य ही ग्राम पंचायत बमोथ की जनता उन्हें ग्राम प्रधान पद पर अवश्य ही देगी। उन्होंने कहा हम पिछले साल से इस अभियान में जुटे हुऐ हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने किया नामांकन प्रक्रिया का निरीक्षण

चमोली (नजरिया खबर ब्यूरो)। त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन–2025 को निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण सम्पन्न कराने हेतु जिला प्रशासन चमोली की ओर से पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। जिले में 09 विकास खण्ड मुख्यालयों पर सदस्य ग्राम पंचायत, प्रधान ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत सदस्य की नामांकन प्रक्रिया संचालित हो रही है। जबकि जिला पंचायत के सदस्य की नामांकन की प्रक्रिया जिलाधिकारी कार्यालय गोपेश्वर में चल रही है।

जिलाधिकारी चमोली संदीप तिवारी ने शुक्रवार को कलेक्ट्रट में बने नामांकन सेंटर का स्थलीय निरीक्षण कर समस्त व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने नाम निर्देशन पत्रों की बिक्री कॉउंटर, नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने हेतु काउंटर, एआरओ एवं उनके साथ सम्बद्ध कार्मिक, नो–ड्यूज काउंटर, मतदाता सूची वितरण हेतु व्यवस्था, मतदान दलों की रवानगी एवं वापसी स्थल, स्ट्रांग रूम, डिस्पैच, मतगणना स्थल आदि व्यवस्थाओं को देखा। इस दौरान अपर जिलाधिकारी ने नामांकन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी।

इस दौरान अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश, अर्थ एवं संख्या अधिकारी विनय जोशी सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

अलकनंदा उफान पर, लोगों के घरों में घुसा पानी, लोगों ने भागकर बचाई जान

रुद्रप्रयाग (नजरिया खबर ब्यूरो)। मूसलाधार बारिश के चलते अलकनंदा नदी उफान पर है। गुरूवार सुबह नदी का जलस्तर फिर अचानक से बढ़ने से बाल्मीकि समाज के 4 आवासीय भवनों में जल भराव की स्थिति पैदा हो गई। लोगों ने किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई। इसके साथ ही जिला चिकित्सालय और बाल्मीकि बस्ती को जोड़ने वाला पुल भी नदी में डूब गया।

अलकनंदा।

पहाड़ों में लगातार मूसलाधार बारिश जारी है। बारिश के कारण जनजीवन अस्त–व्यस्त हो गया है। बदरीनाथ क्षेत्र में हो रही मूसलाधार बारिश के चलते गुरूवार सुबह अलकनंदा नदी का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया, जिससे आसपास भवनों को खतरा पैदा हो गया। वाल्मीकि समाज के 4 परिवारों ने किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई। बेलनी पुल के नीचे 15 फीट ऊंची शिव मूर्ति भी जलमग्न हो चुकी है। आने–जाने वाले पैदल मार्ग भी डूब चुके हैं, इसके अलावा प्रसिद्ध कोटेश्वर मंदिर गुफा तक पानी आ गया है।

अलकनंदा नदी का जलस्तर बढ़ने से गुरूवार सुबह बाल्मीकि समाज के लोगों ने अपने आवासों को खाली कर दिया। प्रभावित लोगों ने कहा कि नदी का जलस्तर अचानक बढ़ने से बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए। अचानक पानी इतना ज्यादा बढ़ गया कि उन्हें काफी नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि बदरीनाथ क्षेत्र में रात के समय हुई मूसलाधार बारिश के बावजूद भी प्रशासन की ओर से कोई अनाउंसमेंट नहीं किया गया। जिससे उनके सामने ऐसी स्थिति खड़ी हो गई।

नेशनलिस्ट यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स ने पत्रकार पर हमले को लेकर जताया आक्रोश

टनकपुर/चंपावत (नजरिया खबर ब्यूरो)। टनकपुर नगर के वार्ड नंबर 4 निवासी वरिष्ठ पत्रकार बाबूलाल यादव और उनके परिवार पर हुए हमले को लेकर नेशनलिस्ट यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स (छन्श्र न्जजंतींदक) ने कड़ा विरोध दर्ज किया है।

यूनियन की प्रदेश अध्यक्ष दया जोशी ने चंपावत के पुलिस अधीक्षक को पत्र प्रेषित कर हमलावरों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई और घटना की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। पत्र में उल्लेख किया गया है कि 29 जून 2025 की सायं लगभग

यूनियन ने की निष्पक्ष जांच और कठोर कार्रवाई की मांग

7 बजे पत्रकार बाबूलाल यादव पर टनकपुर की मछली गली के समीप सुनियोजित तरीके से हमला किया गया। आरोप है कि सुनील बाल्मीकि, मुनेश बाल्मीकि, गौरव, अजीत कुमार सहित लगभग 50 अज्ञात व्यक्तियों ने पत्रकार को घेरकर उन पर लाठी–डंडों और हॉकी स्टिक से ताबड़तोड़ हमला किया। पत्रकार को बचाने पहुंचे उनके पुत्र रवि यादव और अन्य परिजनों को भी बुरी तरह पीटा गया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हुए। हमलावरों द्वारा परिवार की महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार की बात भी सामने आई है। घटना की गंभीरता को देखते हुए थाना टनकपुर में एफआईआर संख्या 0069ध्2025 भारतीय न्याय संहिता की धारा 115(2), 126, 190, 191(2), 191(3), 351(2) के अंतर्गत दर्ज की गई है। हालांकि यूनियन ने इस बात पर गहरी नाराजगी जताई है कि घटना के ठीक अगले दिन आरोपियों की ओर से साजिशन एक क्रॉस एफआईआर संख्या 0070ध्2025 भी दर्ज कराई गई, जिसमें पत्रकार बाबूलाल यादव और उनके परिवार को ही अभियुक्त बनाया गया है। इस झूठी एफआईआर में भारतीय न्याय संहिता की धारा 115(2), 324(4) के साथ–साथ एससीध्एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम की धाराएं 3(1)(द) और 3(1)(ध) भी जोड़ दी गई हैं। यूनियन का कहना है कि यह स्पष्ट रूप से एक पक्षपातपूर्ण कार्रवाई है, जो न केवल पत्रकार की गरिमा पर प्रहार है, बल्कि कानून के दुरुपयोग का भी उदाहरण है। यूनियन ने चेताया है कि यदि झूठे मुकदमे को वापस लेकर वास्तविक दोषियों के खिलाफ त्वरित और कठोर कार्रवाई नहीं की गई, तो पत्रकार समाज राज्यव्यापी आंदोलन को बाध्य होगा।

प्रदेश अध्यक्ष दया जोशी ने कहा कि "पत्रकारों पर इस प्रकार के हमले और उनके विरुद्ध झूठे मुकदमे दर्ज कर उन्हें डराने की कोशिश निंदनीय है। ऐसे मामलों में पुलिस को निष्पक्षता और संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई करनी चाहिए, न कि दबाव में आकर पीड़ित पक्ष को ही कटघरे में खड़ा करना चाहिए। यूनियन ने मांग की है कि पत्रकारों की सुरक्षा के लिए शासन–प्रशासन ठोस नीति बनाए और ऐसे मामलों में त्वरित न्याय सुनिश्चित किया जाए, जिससे मीडिया की स्वतंत्रता और विश्वसनीयता बनी रह सके।

05 July 2025_Copy of Layout 1 7/8/2025 8:47 AM Page 7

मुख्य सचिव ने की राष्ट्रीय राजमार्गों की समीक्षा

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने गुरुवार को सचिवालय स्थित अपने सभागार में प्रदेश के भीतर सभी राष्ट्रीय राजमार्गों की समीक्षा की। बैठक के दौरान मुख्य सचिव ने प्रदेश के अंतर्गत एनएच पीडब्ल्यूडी और एनएचएआई की सड़कों की स्थिति और प्रगति की विस्तार से जानकारी ली।

मुख्य सचिव ने एनएच पीडब्ल्यूडी की सड़कों की बॉटल नेक की जानकारी लेते हुए उन्हें दुरुस्त किए जाने के लिए शीघ्र योजना तैयार किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने वन एवं वन्यजीव संस्तुतियों के लिए लगातार केन्द्र एवं राज्य स्तरीय सम्बन्धित विभागों से अनुवर्तन करते रहने की बात भी कही। कहा कि एनएच पीडब्ल्यूडी द्वारा लम्बित मामलों में सम्बन्धित जिलाधिकारियों और फारेस्ट के साथ लगातार बैठकें आयोजित करते हुए लम्बित प्रकरणों का निस्तारण किया जाए। मुख्य सचिव ने ऋषिकेश बाईपास में

मुख्य सचिव बैठक लेते हुए।

बायपास को ऋषिकेश से शिवपुरी तक बढ़ाए जाने हेतु कार्यवाही शुरू किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि केंद्र के स्तर से प्राप्त होने वाली स्वीकृतियों के लिए लगातार प्रयास किए जाएँ। उन्होंने कलियासौड़ रिअलाइनमेंट और जोशीमठ बाईपास रिअलाइनमेंट कार्य पूर्ण किए जाने के लिए टाईमलाइन निर्धारित किए जाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि कार्यों को निर्धारित समय सीमा के अंतर्गत पूर्ण किए जाने के लिए लगातार उच्च स्तरीय मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने कार्यों को समय से पूरा किए जाने के लिए जिन कार्यों को समानांतर शुरू किया जा सकता है, उन्हें शुरू कर लिया जाए। मुख्य सचिव ने एनएचएआई के अंतर्गत बन रही सड़कों की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने एनएचएआई के बल्लुपुर पोंवटा साहिब पैकेज 1 और 2, झाझरा–आशारोड़ी 4 लेन, हरिद्वार बायपास सहित विभिन्न स्तरों पर चल रहे प्रोजेक्टों की विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने कार्यों को निर्धारित समयसीमा के अंतर्गत पूर्ण किए जाएं। सचिव डॉ. पंकज कुमार पाण्डेय ने बताया कि प्रदेश के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्गों की कुल लम्बाई 3589.99 किमी है, जो एनएच पीडब्ल्यूडी के पास 2028. 19 किमी, बीआरओ के पास 986.8 किमी, एनएचआईडीसीएल के पास 130 किमी और एनएचएआई के पास 445 किमी है।

उन्होंने कहा कि चारधाम यात्रा मार्ग के कुल 53 कार्य होने हैं, जिनमें से 47 को स्वीकृति प्राप्त है। 42 कार्य अवार्ड किए जा चुके हैं, जिनमें से 30 कार्य पूर्ण हो चुके हैं। 12 कार्यों पर कार्य गतिमान है। 5 कार्य अवार्ड होने बाकी हैं और 6 कार्य स्वीकृत होने बाकी हैं। इस अवसर पर अपर सचिव विनीत कुमार एवं रीजनल ऑफिसर एनएचएआई विशाल गुप्ता एवं पीडी एनएचएआई पंकज भी उपस्थित थे।

मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने ऐतिहासिक एकीकृत विनिर्माण इकाई का किया उद्घाटन

देहरादून। दुनिया के पांचवें सबसे बड़े खुदरा आभूषण विक्रेता (ज्वेलरी रिटेलर) मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स, तेलंगाना में अत्याधुनिक, पूरी तरह से एकीकृत (इंटीग्रेटेड) आभूषण विनिर्माण इकाई (ज्वेलरी मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट) की शुरुआत की है. यह इकाई अपनी तरह की सबसे बड़ी है।

मलाबार गोल्ड के 13 देशों में 400 से ज्यादा शोरूम हैं। इस इकाई की शुरुआत को लेकर मलाबार ग्रुप के चेयरमैन एम पी अहमद ने कहा, "हैदराबाद में हमारी अत्याधुनिक आभूषण विनिर्माण इकाई, जो परंपरा, कला, आधुनिकता और परिशुद्धता का संयोजन करती है, आभूषण विनिर्माण में एक नए युग की शुरुआत है। इसके साथ ही हम लाइफटाइम मेंटेनेंस का विश्वसनीय 'मलाबार प्रॉमिसेज' और पारदर्शी बायबैक गारंटी प्रदान करते हैं– जो दिखाता है कि हम हर खरीद के साथ कितनी अधिक वैल्यू और प्रमाणिकता प्रदान करते हैं।"

स्कोडा ऑटो इंडिया ने जनवरी से जून के बीच बेचीं 36,194 गाड़ियां

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। स्कोडा ऑटो इंडिया ने भारत में अपने 25 साल के सफर में अब तक की सबसे ज्यादा छमाही बिक्री दर्ज की है। कंपनी ने 2025 की पहली छमाही में 36,194 से अधिक गाड़ियाँ बेचने का नया रिकॉर्ड बनाया है। स्कोडा इस साल भारत में अपनी 25वीं और दुनिया भर में 130वीं वर्षगांठ मना रही है और तेजी से आगे बढ़ रही है।

इस उपलब्धि के बारे में स्कोडा ऑटो इंडिया के ब्रांड डायरेक्टर आशीष गुप्ता ने कहा, हमारी ऐतिहासिक अर्धवार्षिक बिक्री दिखाती है कि भारत में ग्राहकों ने स्कोडा के प्रोडक्ट्स एवं सेवाओं को मजबूती से अपनाया है। हमारे ग्राहक हर दिन अपने आसपास की दुनिया को एक्स्प्लोर करना पसंद करते हैं। हमारे पोर्टफोलियो में कायलैक को जोड़कर, हम अब 'हर किसी के लिए एक एसयूवी' एवं हमारी सेडान गाड़ियों के जरिये उनके सफर को और बेहतरीन बना रहे हैं। हमारा मकसद भारत में अपने उत्प्पादों, सेवाओं एवं टचप्व्वाइंट्स के साथ हमारे ग्राहकों के और करीब आना है। यह उपलब्धि हमें समय पर नए उत्पाद लाकर, अपनी गाड़ियों और सेवाओं को बेहतर बनाकर, और शानदार स्वामित्व अनुभव के साथ ग्राहकों का लगातार विश्वास जीतने पर फोकस करके प्रासंगिक बने रहने के लिए प्रोत्प्साहित करती है। 2025 की पहली छमाही में 36,194 से अधिक गाड़ियां बेचकर कंपनी भारत में सात शीर्ष ऑटोमोटिव ब्रांड्स में शामिल हो गई है।

विद्या देवी जिंदल स्कूल ने जीता फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। सेलाकुई इंटरनेशनल स्कूल, देहरादून में 28 जून से 3 जुलाई तक आयोजित अखिल भारतीय आईपीएससी अंडर–17 बालिका फुटबॉल टूर्नामेंट 2025 का समापन शानदार उत्साह, अनुशासन और खेल भावना के साथ हुआ। टूर्नामेंट का खिताब विद्या देवी जिंदल स्कूल (वीडीजेएस), हिसार ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से जीता।

फाइनल मुकाबले में उन्होंने बिरला बालिका विद्यापीठ (बीबीवीपी), पिलानी को 5–0 से पराजित कर विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया। इस फाइनल मैच में विद्या देवी जिंदल स्कूल (वीडीजेएस) हिसार के खिलाड़ी निशिता और कर्षना ने 2–2 गोल तथा धृति मारू ने 1 गोल कर शानदार प्रदर्शन द्वारा अपनी टीम को फाइनल में विजय बनाया। यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट सेलाकुई स्कूल के

विजेता टीम के खिलाड़ी।

मुख्य फुटबॉल मैदान पर आयोजित किया गया, जिसमें देश के पाँच शीर्ष आईपीएससी स्कूलों दृ वीडीजेएस, बीबीवीपी, मेयो कॉलेज गर्ल्स स्कूल (अजमेर), पाइनग्रोव स्कूल (धर्मपुर), तथा कित्तूर रानी चन्नम्मा आवासीय सैनिक स्कूल (कर्नाटक) दृ ने भाग लिया। लीग–कम–नॉकआउट प्रारूप में खेले गए इस टूर्नामेंट में बालिकाओं ने बेहतरीन तकनीक, जोश और अनुशासन का परिचय दिया, जिससे मैदान में दर्शकों का उत्साह चरम पर पहुंचा। वीडीजेएस' ने पूरे टूर्नामेंट में अपराजेय रहते हुए कुल '38 गोल' किए और एक भी गोल नहीं खाया। निशिता डेवली के 13 गोलों ने उन्हें 'गोल्डन बूट अवॉर्ड' और टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ स्कोरर बना दिया।

मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स ने ऐतिहासिक एकीकृत विनिर्माण इकाई का किया उद्घाटन

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। दुनिया के पांचवें सबसे बड़े खुदरा आभूषण विक्रेता (ज्वेलरी रिटेलर) मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स, तेलंगाना में अत्याधुनिक, पूरी तरह से एकीकृत (इंटीग्रेटेड) आभूषण विनिर्माण इकाई (ज्वेलरी मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट) की शुरुआत की है. यह इकाई अपनी तरह की सबसे बड़ी है। मलाबार गोल्ड के 13 देशों में 400 से ज्यादा शोरूम हैं।

इस इकाई की शुरुआत को लेकर मलाबार ग्रुप के चेयरमैन एम पी अहमद ने कहा, "हैदराबाद में हमारी अत्याधुनिक आभूषण विनिर्माण इकाई, जो परंपरा, कला, आधुनिकता और परिशुद्धता का संयोजन करती है, आभूषण विनिर्माण में एक नए युग की शुरुआत है।

यह इकाई हमारे 'मेक इन इंडिया, मार्केट टू द वर्ल्ड' दृष्टिकोण के अनुरूप वैश्विक बाजारों के लिए भारत में विश्वस्तरीय आभूषण तैयार करने की हमारी प्रतिबद्धता को पुष्ट करती है। इसके साथ ही हम लाइफटाइम मेंटेनेंस का विश्वसनीय 'मलाबार प्रॉमिसेज' और पारदर्शी बायबैक गारंटी प्रदान करते हैं– जो दिखाता है कि हम हर खरीद के साथ कितनी अधिक वैल्यू और प्रमाणिकता प्रदान करते हैं।" मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स के एमडी (इंडिया ऑपरेशंस) आशेर ओ ने कहा, "बुलियन की सोर्सिंग से लेकर, विनिर्माण (मैन्यूफैक्चरिंग), थोक और खुदरा बिक्री तक पूरे ज्वेलरी वैल्यू चेन में मजबूत उपस्थिति के साथ एक एकीकृत कारोबार होने की वजह से यह एकीकृत विनिर्माण इकाई भारत में उत्कृष्ट गहनों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए हमारी क्षमताओं को बढ़ाती है, जो हमारे लिए सबसे बड़ा बाजार है। रंगा रेड्डी जिले के महेश्वरम के जनरल पार्क में स्थित और 3.45 लाख वर्ग फुट में फैली, अपनी तरह की यह पहली एकीकृत विनिर्माण इकाई, भारत और जीसीसी देशों में समूह की 14 विनिर्माण इकाइयों में सबसे बड़ी है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने जनरल पार्क इकाई का आधिकारिक रूप से उद्घाटन किया।

मलाबार ग्रुप के चेयरमैन एम. पी. अहमद, वाइस–चेयरमैन अब्दुल सलाम के.पीय मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स के मैनेजिंग डायरेक्टर (इंडिया ऑपरेशंस) आशेर ओय एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर निषाद ए के और मलाबार ग्रुप के शीर्ष मैनेजमेंट के अन्य सदस्यों, तेलंगाना सरकार के अन्य गणमान्य लोगों एवं शुभचिंतकों की गरिमामयी उपस्थिति में इस इकाई की शुरुआत हुई। मलाबार ग्रुप के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर निषाद ए.के ने कहा, "इस विनिर्माण इकाई में अत्याधुनिक (स्टेट–ऑफ–आर्ट डिजाइन स्टूडियो और उन्नत आरएंडडी सेंटर्स हैं, जो हमें थ्रीडी (3डी) प्रिंटिंग, कास्टिंग, इस इकाई के साथ ना सिर्फ हमारी उत्पादन क्षमता बढ़ी है, बल्कि हम डिजाइन नवाचार (इनोवेशन), सतत विनिर्माण (सस्टेनेबल मैन्यूफैक्चरिंग) और परिचालन उत्कृष्टता में उद्योग के लिए नए बेंचमार्क स्थापित कर रहे हैं।

05 July 2025_Copy of Layout 1 7/8/2025 8:47 AM Page 8

आयुर्वेदिक विवि के छात्र-छात्राओं का अनिश्चितकालीन धरना शुरू

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। उत्तराखंड आयुर्वेद विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राओं ने मांगों को लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। लंबित परीक्षाएं जल्द कराए जाने, रुके हुए परीक्षा परिणाम अविलंब घोषित किए जाने जैसी प्रमुख मांगों को लेकर आयुर्वेद विश्वविद्यालय में बीएएमएस छात्रों का अनिश्चितकालीन जारी है। छात्रों ने मांगों पर गौर नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है।

धरना प्रदर्शन करते छात्र।

कैम्पस में धरने पर बैठे छात्र–छात्राओं ने विश्वविद्यालय प्रशासन पर लापरवाही और उदासीनता बरतने का आरोप लगाया। छात्रों का कहना है कि विवि का शैक्षणिक कैलेंडर पूरी तरह से अस्त–व्यस्त हो गया है। साल 2019 से 2022 तक के बैच के छात्र छात्राएं विश्वविद्यालय गेट पर एकत्रित हुए और अपनी मांगों के समर्थन में डटे रहे। छात्रों ने विवि प्रशासन को चेतावनी दी कि अगर 48 घंटे के भीतर कोई ठोस समाधान नहीं निकलता है तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा। छात्रों ने प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं और कहा कि ना तो उनकी परीक्षाएं समय पर आयोजित की जा रही है और ना ही परीक्षा परिणाम घोषित किया जा रहे हैं। इससे ना सिर्फ उनका शैक्षणिक सत्र प्रभावित हो रहा है, बल्कि विवि में बैचलर ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसिन सर्जरी का कोर्स करने वाले छात्रों का करियर भी दांव पर लग गया है।

अनिश्चितकालीन धरना दे रहे छात्रों का कहना है कि अब यह विश्वविद्यालय प्रशासन के साथ आर पार की लड़ाई हो गई है। अगर विश्वविद्यालय प्रशासन ने जल्द उनकी मांगों पर कार्रवाई नहीं की तो उन्हें सड़कों पर उतरने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से कोई वरिष्ठ अधिकारी छात्रों से बातचीत के लिए नहीं पहुंचा, इससे छात्रों में आक्रोश व्याप्त है। गौरतलब है कि छात्र 2019–20 और 2021 बैच के परीक्षा परिणामों की घोषणा नहीं होने, 2018 बैच की डिग्री जारी करने में हो रहे विलंब की वजह से आंदोलन के राह पर हैं। धरना दे रहे छात्रों का आरोप है कि इन तमाम बिंदुओं पर कई बार विश्वविद्यालय प्रशासन को पत्र लिखा गया उसके बावजूद मांगों की अनदेखी की जा रही है। डिग्री नहीं मिलने की वजह से आगे की पढ़ाई व रोजगार के अवसरों के लिए वह आवेदन नहीं कर पा रहे हैं।

उमट्टा क्षेत्र में भूस्खलन के चलते बद्रीनाथ हाईवे पर अस्थायी यातायात प्रतिबंध

चमोली। भारी वर्षा के कारण 3 जुलाई को उमट्टा क्षेत्र में बद्रीश होटल के पास भूस्खलन हुआ। जिससे राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या–07 पर मलबा जमा हो गया और यातायात प्रभावित हो गया। यात्रियों की सुरक्षा और मार्ग को सुचारु बनाए रखने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा प्रभावित क्षेत्र में 4 जुलाई को अपराह्न 4:30 बजे से अपराह्न 6:30 बजे तक अस्थायी रूप से यातायात बंद रखा गया हैं। इस दौरान हलके दुपहिया वाहनों को कर्णप्रयाग –सिवाई –कालेश्वर मोटर मार्ग से डायवर्ट किया जायेगा। प्रभावित क्षेत्र में मलबा हटाने और मार्ग को सुरक्षित बनाए रखने हेतु संबंधित एजेंसियों द्वारा त्वरित कार्रवाई की जा रही है।

जिला प्रशासन स्थिति पर लगातार निगरानी रखे हुए है।

कांग्रेस ने जिला पंचायत चुनाव को लेकर समर्थित उम्मीदवारों की पहली सूची की जारी

देहरादून (नजरिया खबर ब्यूरो)। कांग्रेस पार्टी ने आज उत्तराखंड जिला पंचायत चुनाव के लिए समर्थित उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। अल्मोड़ा जिला पंचायत के लिए कांग्रेस पार्टी ने 21 लोगों को समर्थित उम्मीदवार के तौर पर चुनावी मैदान में उतारा है।

कांग्रेस पार्टी के उपाध्यक्ष संगठन सूर्यकांत धस्माना ने सूची चारी करते हुए बताया कि अल्मोड़ा जिला प्रभारी धीरेंद्र प्रताप के जिले के सभी वरिष्ठ नेताओं से विचार विमर्श किया गया। विमर्श के बाद जिन नामों की संस्तुति प्रदेश नेतृत्व को भेजी गई थी, उनको पार्टी ने समर्थित उम्मीदवार घोषित किया है। उन्होंने बताया कि आज शाम तक कांग्रेस पार्टी की ओर से दूसरी सूची भी जारी कर दी जाएगी। इसी तरह काभड़ी से भावना जोशी, धुंरास ग्रोली से हिमांशु, बलटा से जीवन सिंह मेहरा, गोलनाकरडिया से राजेंद्र बिष्ट, खोला से बिशन सिंह बिष्ट, पल्यूड़ा से संतोष को कांग्रेस ने पार्टी समर्थित उम्मीदवार बनाया है। इसी तरह कुमौली में हेमा आर्या, डीडा के लिए चंद्रशेखर, डिगरा के लिए कुंदन, छानी ल्वेशाल से प्रकाश, डांगी खोला से रणजीत, सकनियालकोट से रोशन, सुनौली से पूजा और गडस्यारी से निशा को कांग्रेस समर्थित उम्मीदवार बनाया गया है।

इससे पहले बुधवार को भाजपा ने पंचायत चुनाव के लिए अपने समर्थित प्रत्याशियों की जिलेवार लिस्ट जारी की थी।

नाबालिग से होटल में दुष्कर्म कर आरोपी फरार

नैनीताल। होटल में नाबालिग किशोरी से दुष्कर्म कर आरोपी फरार हो गया है। पीड़िता के पिता की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार बीते दिनो शहर के एक व्यक्ति को कोतवाली हल्द्वानी में तहरीर देकर बताया गया कि उनकी सोलह साल की बेटी को काठगोदाम थाना क्षेत्र निवासी एक युवक बहला फुसलाकर होटल में ले गया। जहां उसने किशोरी के साथ जबरन दुष्कर्म किया। साथ ही किसी को घटना के बारे में बताने पर जान से मारने की धमकी दी। पीडित के पिता ने बताया कि अमृतपुर निवासी एक व्यक्ति से उसकी बेटी की जान पहचान थी।

कोर्ट ने एसआई समेत 6 पुलिसकर्मियों पर मुकदमा दर्ज करने का दिया आदेश

रुड़की (नजरिया खबर ब्यूरो)। हरिद्वार जिले में रुड़की के पास माधोपुर गांव में बीते साल 25 अगस्त 2024 को जिम ट्रेनर वसीम उर्फ मोनू की तालाब में डूबकर मौत हो गई थी। इस मामले में अब करीब एक साल बाद कोर्ट ने उत्तराखंड पुलिस के गौ स्क्वायड टीम के उप निरीक्षक समेत तीन नामजद और तीन अज्ञात के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज करने के आदेश दिए हैं। ये आदेश मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट हरिद्वार अविनाश कुमार श्रीवास्तव को कोर्ट ने दिया है।

इसी के साथ कोर्ट ने इस सनसनीखेज मामले में सीओ रैंक के अधिकारी से निष्पक्ष जांच कराने के आदेश भी दिए हैं। दरअसल, वसीम की मौत 25 अगस्त 2024 को हुई थी। पुलिस के मुताबिक वसीम प्रतिबंधित मांस की तस्करी कर रहा था और पकड़े जाने के डर से तालाब में कूदा था, जिससे उसकी डूबने से मौत हो गई थी। हालांकि परिजनों में पुलिस टीम पर युवक की हत्या का आरोप लगाया था। बता दें कि 25 अगस्त साल 2024 को सोहलपुर गाड़ा गांव निवासी वसीम उर्फ मोनू की माधोपुर गांव के तालाब के पानी में डूबने से मौत हो गई थी, लेकिन परिजन पुलिस की इस थ्योरी पर विश्वास ही नहीं कर रहे हैं। उनका आरोप है कि गौ संरक्षण स्क्वायड टीम ने सुनियोजित तरीके से मोनू की हत्या की है। अगस्त 2024 में ये मामला खासा चर्चाओं में रहा था। देशभर में इस मामले पर राजनीति भी हुई थी। वहीं पुलिस पर मुकदमा दर्ज करने के लिए मोनू के परिजनों की तरफ से कोर्ट में प्रार्थना पत्र दाखिल किया गया था। वरिष्ठ अधिवक्ता सज्जाद अहमद की मजबूत पैरवी के चलते कोर्ट ने मृतक जिम ट्रेनर वसीम उर्फ मोनू के चचेरे भाई के प्रार्थना पत्र पर तीन नामजद उपनिरीक्षक शरद सिंह, कांस्टेबल सुनील सैनी, कांस्टेबल प्रवीण सैनी समेत अन्य अज्ञात पुलिसकर्मियों के खिलाफ 24 घंटों के भीतर गंगनहर कोतवाली पुलिस को संबंधित धाराओं में केस दर्ज करने के आदेश दिए हैं।

न्यूज डायरी

तेज रफतार महिंद्रा थार वाहन पहाड़ से टकराकर पलटी, दो लोग घायल

देहरादून। मसूरी–देहरादून रोड पर चुनाखाला के पास एक तेज रफ्तार थार वाहन पहाड़ से टकराकर पलट गई। हादसे में दो लोग घायल हो गए। घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस ने बताया कि महिंद्रा थार रोड पर पलटी हुई है। उन्होंने बताया कि जांच में पता चला है कि थार मसूरी से देहरादून की तरफ जा रही थी, जो चुनाखाला के पास अनियंत्रित होकर पहाड़ से टकराकर रोड पर ही पलट गई। वाहन में दो व्यक्ति सवार थे, जिनको मामूली चोटें आई हैं। उक्त वाहन को क्रेन की सहायता से सड़क किनारे कर यातायात को सुचारू किया गया। उन्होंने बताया कि घायल अनिकेत आनंद पुत्र अमित कुमार उम्र 20 वर्ष निवासी बेवूसाई डाक बंगला बिहार व ऋषभ कुमार पुत्र रंजीत कुमार निवासी चालक नगर बेबुसाई बिहार उम्र 19 मामूली रूप से घायल हुए हैं।

पेज 01 का शेष...

हरिद्वार में मुख्यमंत्री धामी ने किया 550 करोड़ की योजनाओं लोकार्पण एवं शिलान्यास

उन्होंने कहा कि प्रदेश की बेरोजगारी दर में रिकॉर्ड 4.4 प्रतिशत की कमी लाकर राष्ट्रीय औसत को भी पीछे छोड़ने का काम किया है।उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने राज्य में सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 30 प्रतिशत आरक्षण देने के साथ ही 'मुख्यमंत्री नारी सशक्तिकरण योजना', मुख्यमंत्री महालक्ष्मी योजना, मुख्यमंत्री वात्सल्य योजना, मुख्यमंत्री आँचल अमृत योजना और पोषण अभियान जैसी योजनाएं प्रारंभ की हैं। उन्होंने कहा कि हरिद्वार जनपद में भी अनेकों विकास परियोजनाओं पर कार्य किया जा रहा है। धर्मनगरी हरिद्वार को भी काशी विश्वनाथ एवं उज्जैन महाकाल कॉरिडोर की भांति भव्य और दिव्य रूप देने के लिए हरिद्वार–ऋषिकेश कॉरिडोर का निर्माण किया जा रहा है। हरिद्वार में हेली सेवाओं के लिए हेलीपोर्ट का निर्माण करने के साथ ही नगर को जाम की समस्या से मुक्ति दिलाने हेतु पॉड टैक्सी के संचालन की कार्ययोजना भी तैयार की जा रही है। हरकी पैड़ी से मां चंडी देवी और मां मनसा देवी तक रोपवे के निर्माण को हरी झंडी देना हो या लालढ़ांग की बरसाती नदी में पुल के निर्माण के साथ ही झूला पुल बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।

स्वत्वाधिकारी नजरिया खबर के लिए स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक गीता जायसवाल द्वारा श्रेष्ठा प्रिन्टर्स, वार्ड नं.03,पो.ओ. लालकुंआ जिला–नैनीताल, उत्तराखण्ड से मुद्रित तथा 14–डी मीडो प्लाजा, प्रथम तल राजपुर रोड देहरादून, उत्तराखंड से प्रकाशित सम्पादक : विजय जायसवाल फोन नं. – 0135&2740930, 9837027458 RNI NO: UTTHIN/2008/25052 प्रकाशन सम्बन्धी सभी विवादों का निस्तारण सिर्फ देहरादून न्यायालय होगा। E-mail: nazariakhabar@gmail.com
Website : www.nazariyakhabar.com **डाक पंजीयन : UA/DO/DDN/402/2017-19**